

या हृदः प्रज्ञातन इन्द्रा व नी सताता जीता
नादः काय मद्रक्षा मि साया ता जीताथ व कानया
नाम नादाना नानधया ॥ हुं मू निः सा नका हका
नादाना नानधयाः सून ताता स न धया ॥ ॥

आशा मरुति
ASHA ARCHIVES

721

श्री
मो
न
या

श्री नमो दाः॥ ति ह्येता त के दद उ॥ न क न ति सानमा तः॥
माध्व कया॥ होति दा मंस ४ कर्क ग सि मंस ४॥ जूक
ग मल मंस ४ क व वि सी की न मंस ४ न य क स न मंस
ति पि मंस ४ दूना न ल ४ ता नि स ४ सु धि ४ वि पी ना म
न मंस ४ १५ क म्मा न मंस २ न व व व ४ ति क त ॥ २ सि पि

मो
श्व
का

को
स
या

मंस ४ क सि प्र २ व न र स्ता १ माध्व कया॥॥
२ सा क न य याः क सि प्र न गता॥ सि पि मंस ४ क ता सि मंस
न य के स न मंस ४ व स ना व न मंस ४ ति क दू मंस ४ ति नि मंस ४
जूक ना म न मंस ४ लागा दा मंस ४ क क ना ४ पि य ना म
मंस ४ न व द मंस ४ क सि प्र न गता॥ को स न य या॥ १५

अतमाकथा

वसुसत्याकथा

२७ तिर्यसुमं ३ सिद्धि वि ३ वीर्य वि मं ८ दनदमं ८
७७ सुनिमं ८ सुधीमं ८ थ ८ रवा दनं ८ स ८ क्षा ८
ज्ञानकैः व ८ तमा दल्याकना स ॥ ४॥ सुकत्या
२मं ९ वात कम ९ नर्वीत्या चमं ९ ७७ कि मिनिमं ९ वि
व्यनिमं ९ वं सुना चमं ९ बहन सुमं ९ साखन वकी
कने सयहिद

वातस्याः नमस्तथा

मंद कलिन वा नाडानकैः वाकवित कने सयहि
द ॥ ४॥ २७ शानसुः दि क दनः ७७ नकः ७७ मि सना
य न वतया अ गत वात ना स ॥ ४॥ सुथानी स्थं थदा
न द्वा स स वात म स्या कना स ४॥ ४॥ न क वात वा स न द्या
नाहिदाः सन्मा धिनः स न च ॥ सि द्वा सु निः सा दू दन

३५
७७
७७
७७

कृतिभोगा नारा

निह्यं वायः न क वातना स ४॥ मे सुग नाना दिरका
कना इति नि इह क नि नि इति क द्र मं रय म सुखान
धन न वा ना ज्ञान के ॥ ग नान ता स ॥ ४॥ म न य मं १
ग ७ मं १ अ न वात मं १ सि खान द द मं १ नि या हा
वा यः क सु ना ग ता स ४ ॥ ४॥ दि दे वि मं इ ह न द्र य

क स मु पीः व्या धि क र

न १ मि न क र का डा कू यः म न य ज न न न रं वा
न नि या डा ता न केः ग व न या व्या धि क स दू द क द मि
म का मि निः न ला ग व न र वी सि ह रि कू यः द्या ग सी न नि
या डा ता न केः क स न पि त क द या के ॥ ४॥ त के द
दू डा त त डा ता गुं द क ला ता कि या ति श ता क १ द

१ दू दी डी या ॥ हा गा ख न ॥ घ न स वा ना डी न के ॥
 त क मित ना स ॥ ४ ॥ इन डू सु थी : सा या दू दू सु :
 हा ह्यी ता न के : वा त ह्यी ख स न स ॥ ४ ॥ म न च : वी व
 नि : सु धि : स म दू ग म स दू त १ x न म स ला या १ x
 थ त स म ला ग दी डी न के : मी सा या : त क सु न

ना स॥ तावत्तः तडा कसूनिः ध्ववनया दाडाः
सादृशस्य संज्ञानके॥ मिहीनवाडाता स॥
रञ्गीनिम दशादयः केः मिथिप्र३ यत्र
नाना १०० सूनि अता १ वीचीनी ना १ बाकू अ
ता १ ध्वर सप्त रोगादा अङ्गिङ्ग डया अजीन

ॐ

可
可
可
可

[illegible]

बहु काठाव

कडाचः कसिर्द स्वहाः धन ३८ ॥ २ न मा १४४ न
शुद्धा ॥ नातनाः तिथनाः तूतनाः तिनीवृष्टः क
पानेः विदग्धनाकिः का कंतकवृद्धाधिः सप्त
पत्ताने वादवाः ववादनिः कपानेः ग्रासकाणिः
सिप्तना वमाहा दडाः वादिनिग्राहः दन्तम

७ विनः दाहिनि नाथः तत्र सिद्ध विनः शृंगार
 विः श्रवता नः विष्णु नाथः हिमस्य नगर कि स गः
 मत्री रजतिः रू नामं कु नं हुं श्व न वाचा ॥ धन ३
 ७ मं कु न ग य न वा डाः थ डा हुं न का या डाः
 र तित न ह तित के न र्द्ध सः का त्या त स ति र्द्ध

का या क डा व थः म व न रू के म रू द न थ रू
 दः फान न या यः श्रु न ग या ता जी डा थ का या व डा वः
 ४॥ ॥ श्री गुरु रू श्र ग म ॥ खी सा म त्रि पां ग म नः
 ग न ग ज्ञा नाः हुं ह्र दि उ दि पी थः सि धि वा हाः
 धन रू रू नः सि ध नः कि ग नः रू रू म काः द डा स

म सा न स यान

के तयः खान चर के थडा मि धरु ॐ ॥ ॥ तं नाम
 कान नून दू दू चर कश्वादि ॥ धन १०२ ॥ सु सान
 सते डाः द डाग के त डा ॥ मं कु री तु त डाः यू जा
 सायः जय सायः थर नि या य ॥ ४४ ॥ इति विंश
 न शरुः ॐ कश्वादा ॥ धन १०३ ॥ धन मं कु थ वा र

धन पाडा सई नि का य क ॥ ४५ ॥ कु न धन नः दि
 धिन नूनः नून धरु ॥ विंश का म नानि वा यः ज
 न र शरु ॥ धन १०४ ॥ धन मं कु या लनः सु जतः का या
 डाः थं ख न सत यः ना सव न न यः स तु वा नः वा र
 धन का या डाः मं कु या यः थर न थ डा के त यः

: ॐ (ग्वन सत कय के: ॐ ग्वन सत सतय: वधन स
 य सत कय यया या ॥ १॥ ॥ ॐ नमो गुरु को ज्ञान
 मना दि गुरु ॥ कामन का माता दवि: न
 ग क का ना मूरव च वि का: यक उति माता;
 वं क अ रि: जय नर सिद्ध र के न ॥ मात वि वृत्त:

क उ उ थ ॥ ४ ॥ माया के उ उ ॥ ॥

२ ॐ नमो गुरु ज्ञान ॥ धन स ल मि नान का
 मा नि: मवन य स रु या हर नि ॥ वृत्त गी
 नि स्य: ज्ञान: धर्म नु धन ॥ कृताय दन न
 याय: कृताय दन न: म मा नि द य के: कृताय दय के

माया का
 मिता का

ज्ञान:
 के

ज्ञानाद्रताः कृदायायः मनः कन निःवाया
ह
हृदये पुनः वाजान निद्याना ॥ ४ ॥ ॥ २ ॥ न मग्न
न शेष ॥ धन सा हानि निना न कामा निः भव
न गद्य म सुखा गू नि ॥ ५ ॥ ॥ २ ॥ व दन आया

ना वा हान न गी ॥ ५ ॥ ॥ २ ॥ ॥ २ ॥ ॥ २ ॥ ॥ २ ॥
दा ॥ ॥ २ ॥ ॥ २ ॥ ॥ २ ॥ ॥ २ ॥ ॥ २ ॥
के त गाना ॥ ४ ॥ ॥ २ ॥ ॥ २ ॥ ॥ २ ॥ ॥ २ ॥
वि न वि त ता ति त स द सः स्वा दाः क स नः ॥
म वं मू ॥ ५ ॥ ॥ २ ॥ ॥ २ ॥ ॥ २ ॥ ॥ २ ॥

माताया दानः गुरु कान्ता आसु किः सातान
 याद्या दा वदायः ॥ कायावसुधा नः न्ना म
 जान सातानः सर्वनमवशा दायाः थ न्नु
 नः गम ३ सुप्रानता न क मा नः व सु वा न व
 क्रानता नः ॥ ३३ न्मा ग्रा ज्ञ न्ना ज्ञान ॥ थ

प्राजापति

कृतायद्वननः साक्षात्निदयकः कृतायद्वननः
कृतायद्वननः कृतायद्वननः कृतायद्वननः
कृतायद्वननः कृतायद्वननः कृतायद्वननः
कृतायद्वननः कृतायद्वननः कृतायद्वननः
कृतायद्वननः कृतायद्वननः कृतायद्वननः

५५१

कृतायद्वननः कृतायद्वननः कृतायद्वननः
कृतायद्वननः कृतायद्वननः कृतायद्वननः
कृतायद्वननः कृतायद्वननः कृतायद्वननः
कृतायद्वननः कृतायद्वननः कृतायद्वननः
कृतायद्वननः कृतायद्वननः कृतायद्वननः

प्राजापति

मन्त्रः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नैसीयावः सावतः विशा कं नया सकीः प्रा
व्यामनः उगत सवर्क द्रुपः धनकावस
साकावताः थवपया नासः महगव न धवध

यः थवपकथातः देवर्न मन्नवर्नः दाकिनि
नीः गानार्त मद्रः थवपकथातः नाजायाक
उचकावयाशलावक न दाताः कर्त करंगवया
तदाः थव नि या था ४॥ ४४॥ त क वी ड नः

ॐ ह्रीं सीतः कस्तूरः ॐ पिकः ह्रीं दूतनः त्र्य
क ॐ वनः ॐ सा ३ स्वयनः न वयन १ दूचि क न
न १ दूचि क नः न स्वजाः ललासादा जाः नी नि
स वा य केः मताश्चा स त्रि य का जाः वा स न क

सि हा हा व दा जा सा ताः

अः ॐ श्रीं प्रायया हि दः सी सा हा जा य हि दः
अ स स स्या क श्री हि दः न य द जाः स क ता या हि
दः वा स या ता हा य ही द ॥ १०० ॥ ॐ श्री ग न न श्री

वि
श्व
रूप

ॐ ॥ पिपिनीः सिद्ध विः सायादिरूपः ब्राना
जः धूपकोशकः लतः पुतः पिता सः नयून
नात्मनः ॥ ग साय ॥ १४ ॥ दिग्गनीः प्रकाः प्रकाः

धूपथरूप

निपदनः विद्वनिः वंदाः ^{१४} श्व ता लगया दाडाः
धूपकोशकः वाकसि नितथि यमरुः यत
नडायाकः धूपथरूप ॥ ॥

को

२ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सा नः सा नमस्तु कतसि द्विप्रतु स्वाहा ॥ धन ॥
नैः सनः प्रस्वनामनः दिदः सिद्धि विः
सा वाचनः वनविः धन समता गच्छन्त्या वा

यत ह्याक नासयायः

ॐ क क ना व स न या ॐ नान केः व्यात ह्या क ॥
॥ वा स न र व नान केः वृ द्ध न प्र १ व ना वा क म क
क ल १ × व्याः जि ह्वा न म ७ ति रु ना म ७ या ना म ७

कथान श्लोकः
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

रजिन मं ७ खरु न सि मं ७ सि यो न मं ७ ह कि मं ७
हम ह्य हान मं १ सा न पा हा क मं १ सु क म्या न मं १
पा पि न मं १ कं सु न मं १ वा न मं १ मि ह्य मं १ वा थ
क मं १ त ज धि क क सु मं १ त ज धि कि मं १ सु स मि

ध्यान सा
वृ मं ७ न वा द मं ७ सा द द क र ॥ ॥ २ शृ न रू
नी सा लः नि सा ज धा न स थ क क हा ह्य ज शि ॥
रूप कं सु न साः र वा दू न व सु नि ह्य मा न स वा र क
मा न ह्य क ता स ॥ ॥ क प्र ा ह्य क था ॥

का स भायया

रसनिः शयैः मग्न न कृत्नी या डी, न हान स
मत्त को डी, अर्द्ध या दा डी; कस्ति न डी ना डी; अ
वि दा डी, निष्कृत्त न के; कृत्ता नाः दा डी; अर्द्ध
दा; श्वेतः धनिः ददः नान द डी; कृत्त वा दया

यमान ॥ अथ श्रवा द का सुता स ॥ ॥

रस नय मा ना, सिद्ध चित्त ना, ॐ सु नी ल ना, १

का चि द न न ना, का वि सू थ ना, १ अदा

ता अर्द्ध या दा, दिक् न व स न सु ता न के; रु

पतल्या कनासः

तनंतडाः वायुहवन, पतल्या कनास ॥ ॥

रहा कद्रधनसियादा. हननंतता. साधनस
। चानाडा. २५ वा सनतना विसका कनडा के ॥

॥ ॐ मूनिमिहदयाडा. सा मजायकाज.

लगावडायाः

कपानके; लतापिदाडाडाना सह ॐ ॥

॥ यानाः ही धवि. विपीनः कीनः हकलिनः

ॐ मूनः काकसि; कर्नावाकसवाडा जवद
विदाः सयाकादडा मी साहननसूतिका
नासा ॥

नाजिसया ॐ

मयाका जया

ॐ

मिआया

रहन द्रुप १ धन द्रुप १ शव नद्रुप १ साधन प १ प्रिय
नि क्रव १ थति स म लग या दा डान के ॥ मा सा
न के ॥ सी सा या न रु द रू ड ॥ १॥ १॥ १॥ १॥
हि म नारु ॥ द्रु नान वि क न सः दा सा ता न के क

कपूना तया

द्रु वा न ता स ॥ प न काः द्रु न दिः म च थ ति पा नू ति
मि स्वा स थ नः स कि न या ॥ हि म नारुः व क नः
नि लान स न य दी न ३ थ वि क न दा सा पा न स न य
मि र वा न या वि दा ड हि क ॥ ता न मूनः स धा न ध नी ड
व न ड ॥ रु रु ड ॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
२ थान ता नारु मि न्या न ता न १

वनकेतना राज्याद नि सिः ताना न विपदना ताना न
गंधया सादनि ताना न शर्क ० गानिः ताना न नि कंध
गानि ताना न वा द्या वा न ताना न वि ० हाः ताना न
गमस्वानः ताना न पूनं डनः ताना न थनं का कदाया

कः न व रू ५ प्र वा स च्छि वा नं क ॥ सा दू द रू ५
सूत कः आ न निः च क न रू १ श्विन हा ति रू १ वून
वा द पू न वून मानः सा न याः क ता ना १ द व वा नूः
ता न १ क ता मा सिः ता न १ वा ० कः ता ना १ कू कू म ता
ना १ सू क म्था नः ता न १ व हा ता ना १ आ र्ष द नः ता ना १